भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 189 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना

***189. श्री मुरारी लाल मीना:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं तथा उक्त योजना से भारतीय रेलवे में यात्रियों को बेहतर अनुभव किस प्रकार मिलने की संभावना है;

(ख) क्या उक्त योजना देश में विशेषकर राजस्थान के दौसा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आरंभ की गई है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त योजना के तहत स्टेशनों पर छोटे-छोटे स्टॉल बनाए जाने हेतु कोई प्रावधान है तथा इसके लिए आरक्षण भी प्रदान किए जाने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा ऐसी कंपनियों के नाम क्या हैं जिन्हें उक्त योजना के तहत कार्यों का ठेका दिया गया है तथा इस संबंध में क्या मानक निर्धारित किए गए हैं;

(ङ) क्या यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए रेलगाड़ियों में सामान्य यात्री डिब्बों की संख्या बढ़ाने की कोई योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 12.03.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 189 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च) राजस्थान राज्य के दौसा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्थित बांदीकुई, दौसा, मंडावर महवा रोड और राजगढ़ रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। इन स्टेशनों पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

बांदीकुई स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय के निर्माण, परिचलन क्षेत्र और शौचालयों के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, लिफ्ट की व्यवस्था आदि निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

दौसा स्टेशन पर, स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, शौचालयों में सुधार और प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था आदि कार्य पूरे कर लिए गए हैं और नए ऊपरी पैदल पुल के निर्माण और लिफ्ट की व्यवस्था आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

मंडावर महवा रोड स्टेशन पर नए प्रवेश द्वार पर पोर्च का निर्माण, स्टेशन भवन में सुधार, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफार्म शेल्टर का प्रावधान और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा संकेतकों, स्टेशन फर्नीचर आदि में सुधार का कार्य शुरू किया गया है।

राजगढ़ स्टेशन पर स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, शौचालयों और प्लेटफार्म शेल्टर की व्यवस्था संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा नए ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि शामिल हैं और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 85 स्टेशन राजस्थान राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत राजस्थान राज्य में विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत भारत स्टेशनों की संख्या	अमृत भारत स्टेशनों के नाम
राजस्थान	85	आबू रोड, अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, असलपुर जोबनेर, बालोतरा, बांदीकुई, बारां, बाड़मेर, बयाना, ब्यावर, भरतपुर, भवानी मंडी, भीलवाड़ा, बिजयनगर, बीकानेर, बूंदी, चंदेरिया, छबड़ा गुगोर, चित्तौड़गढ़ जं., चूरू, डकनिया तलाव, दौसा, डीग, डेगाना, देशनोक, धौलपुर, डीडवाना, डूंगरपुर, फालना, फतेहनगर, फतेहपुर शेखावटी, गांधीनगर जयपुर, गंगापुर सिटी, गोगामेड़ी, गोटन, गोविंदगढ़, हनुमानगढ़, हिंडौन सिटी, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, जवाई बांध, झालावाड़ सिटी, झुंझुनू, जोधपुर, कपासन, खैरथल, खेरली, कोटा, लालगढ़, मंडलगढ़, मंडावर महवा रोड, मारवाड़ भीनमाल, मारवाड़ जंक्शन, मावली जंक्शन, मेड़ता रोड, नागौर, नरैना, नीम का थाना, नोखा, पाली मारवाड़, फलौदी, फुलेरा, पिंडवाड़ा, रायसिंह नगर, राजगढ़, रामदेवरा, रामगंजमंडी, राणा प्रतापनगर, रानी, रतनगढ़, रेन, रींगस, सादुलपुर, सांगानेर, सवाई माधोपुर, श्री महावीरजी, सीकर, सोजत रोड, सोमेसर, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, सूरतगढ़, उदयपुर सिटी

सामान्यतः, स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना भी शामिल है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। राजस्थान राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों नामतः उत्तर रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5,369 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है और 2024-25 (जनवरी, 2025 तक) के दौरान 4,009 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

स्टेशनों पर यात्रियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, प्रत्येक स्टेशन पर पर्याप्त खानपान/विक्रय सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। तदनुसार, स्टेशनों पर खानपान/विक्रय इकाइयां प्रचलित मौजूदा नीतिगत दिशानिर्देशों के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाती हैं।

भारतीय रेल सामान्य श्रेणी के यात्रियों सहित सभी श्रेणियों के यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है और तदनुसार, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना से संबंधित मौजूदा नीति के अंतर्गत सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक अकोमोडेशन मुहैया कराने के लिए, 22 सवारी डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है।

अनारक्षित सवारी डिब्बों में अकोमोडेशन बढ़ाने और इनमें यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, चालू वित्त वर्ष के दौरान लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बों के साथ

चलने वाली मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में लगभग 1200 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 17,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

इसके अलावा, वर्तमान में रेलगाड़ी सेवाओं के परिचालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से, दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित तथा एक-तिहाई वातानुकूलित प्रकार के सवारी डिब्बे हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित अमृत भारत सेवाएं शुरू की हैं, जो उन्नत विशेषताओं जैसे झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग खिड़कियां, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि से सुसज्जित हैं। ये सेवाएं, पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं और इनमें वर्तमान में 12 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 8 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं, जो यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

*****